

# भाग्यं भवति कर्मणा

## आपका मासिक राशिफल माह नवम्बर – 2015

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति 01 नवम्बर

	श०		शु० मं० रा०	
9	8	सू० 7	6	5
		बु०		बृ०
	10		4	
11		1		3
	के० 12		2	च०

मेषः— चू, चे, चो, ला, ली, लू, लो, अ



शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में हो रहे प्रसास सार्थक पथ की ओर बढ़ते प्रतीत होंगे। संतान पक्ष की ओर सुखद समाचार प्राप्त हो सकता है। मनोरंजन के साधन वृद्धि के अवसरों का अधिकाधिक लाभ उठाने में सफल सिद्ध होंगे। माह के प्रथम सप्ताह में स्त्री पक्ष का बेहतरीन सहयोग मिलता प्रतीत होगा। अनायास ही एकत्रित हो रहे यात्रा प्रकरण

शारीरिक कष्ट की अनुभूति करायेंगे। घरेलू वाद-विवाद को रोक पाना चुनौतीपूर्ण कार्य प्रतीत होगा। विपक्षियों पर दबाव बना रहेगा। अरिष्ट निवारण के लिये लाल चन्दन की माला वृद्ध साधुओं को दान करें। तारीख 1, 2, 7, 8, 9, 10, 11 सुखद पूर्ण प्रतीत होंगी।

**वृषः— ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो**



वाणी में वाचालता की समाविष्टि के चलते पारिवारिक सदस्य आपसे अप्रसन्न हो सकते हैं। सामाजिक हित में आप द्वारा किये जा रहे प्रयास सामाजिक ख्याति का नवीनतम वातावरण निर्मित करेंगे। उच्च डिग्री से जुड़े हुये मामले सरलता के साथ सम्पन्न होंगे। शत्रुओं पर आपकी शमनात्मक कार्यवाही की रणनीति बेहद कारगर कदम प्रतीत होगी। माह का प्रथम सप्ताह बेहद व्यस्तता भरा सिद्ध होगा। पेट सम्बन्धी रोग, गैस, कब्ज आदि से शारीरिक कष्ट का वातावरण बनेगा। शासन-प्रशासन से जुड़े हुये मामलो में कठिनाइयों के साथ लाभान्वित रहेंगे। अनायास आपका कहीं पर का रुका हुआ धन प्राप्त होने की स्थिति आयेगी। अरिष्ट निवारण के लिये ॐ कवचे नमः मन्त्र का जप शुक्रवार के दिन करें लाभ रहेगा। तारीख 3, 4, 10, 11, 12, 13, 14 शुभकारक सिद्ध होगी।

**मिथुनः— का, की, कू, के, को, हो, घ, ङ, छ**



कोर्ट, कचेहरी के रुके हुये कार्यों में समाधान निकलते प्रतीत होंगे। धार्मिक, अध्यात्मिक क्रिया-कलापों में सकारात्मक दिशा की ओर अग्रसर रहेंगे। निर्माण कार्यों में लगातार प्रगतिशील स्थितियां बनती रहेंगी। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से माह का पहला सप्ताह बेहतरी का अहसास करायेगा। आप द्वारा पेय पदार्थों का अधिकाधिक सेवन बढ़ेगा। जीवन साथी के सहयोग के चलते ग्रहस्थ कार्यों को गतिशीलता प्रदान करने में सफल सिद्ध होंगे। पंचम भाव में बनता हुआ बुधादित्य योग संतान पक्ष के लिये उन्नतिकारक रहेगा। अनचाहे ही सही ईश्वर अराधना की ओर मानसिकता परिवर्तित होती प्रतीत होगी। अरिष्ट निवारण के लिये ॐ वीर्यवते नमः मन्त्र का बुधवार के दिन जप करें। तारीख 1, 2, 5, 6, 7, 12, 13, 14 प्रगति पथ की ओर अग्रसर रहेगी।

**कर्कः— ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो**



माह की शुरुवात बेहद खर्चीले वातावरण को निर्मित करने वाली होगी। कुसंगति के चलते मानसिक परेशानी का बोलबाला रहेगा। साहसिक निर्णय लेने के प्रयासों से सामाजिक ख्याति अर्जित करने में सफल रहेंगे। कुटुम्ब में किसी मांगलिक कार्य के सम्पन्न होने का पूर्ण योग प्रतीत होंगे। पारिवारिक सदस्यों के साथ बेहतर सामन्जस्य स्थापित रहेंगे। टेक्नीकल व्यवसाय में प्रगतिशीलता का वातावरण बनता प्रतीत होगा। घर ग्रहस्थी के क्रिया-कलापों में आपकी संलग्नता बरकरार रहेगी। गृहिणी का भरपूर सहयोग भी मिलता प्रतीत होगा। माह के अंतिम सप्ताह में राजकीय कार्य सुगमता पूर्वक सम्पन्न होंगे। अरिष्ट निवारण के लिये सोमवार के दिन 05 किलो चीनी सुयोग्य पात्र को दान करें। तारीख 2, 3, 4, 7, 8, 9, 14, 15, 16 उन्नति मार्ग की ओर अग्रसर होंगी।

**सिंहः— मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे**



आप किसी न किसी रूप में मानसिक असंतोष के शिकार बने रहेंगे। कठोरतम भाषा-शैली का प्रयोग आपके लिये हितकर नहीं होगा। राजनैतिक मित्रों साथियों आदि से आपका बढ़ता जनसम्पर्क सामाजिक हितों के लिये बेहतर रहेगा। माह की शुरुवात में आर्थिक लाभकारी योजनायें विस्तार रूप लेती प्रतीत होंगी। उपस्थित हो रहे यात्रा प्रसंग मिश्रित परिणामदायक सिद्ध होंगे। स्वस्थ्य, मनोरंजन की दिशा में किये जा रहे प्रयोग सकारात्मक दिशा की ओर परिवर्तित होंगे। घर ग्रहस्थी सामान्य प्रक्रिया की तरह चलती-फिरती प्रतीत होगी। माह के दूसरे सप्ताह में शिक्षा सम्बन्धी मामलों में प्रगति होगी। अरिष्ट निवारण के लिये रविवार को ॐ एकाकिने नमः मन्त्र का जप करें। तारीख 5, 6, 7, 9, 10, 11, 16, 17, 18 उत्तम सूचक सिद्ध होंगी।

**कन्याः— टो, पा, पी, पू, पे, पो, ष, ण, ठ**



स्त्री वर्ग की सहयोगी भावना के चलते राजकीय मामले सुगमता पूर्वक सम्पन्न होंगे। शुभ सूचक कार्यक्रम व्यय भार की अधिकता का वातावरण निर्मित कर सकते हैं। अप्रिय बचन बोलकर आप अपने प्रियजनों के आक्रोश के शिकार बनेंगे। माह के पहले सप्ताह में आर्थिक लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी। क्रय-विक्रय सम्बन्धी मामलों में आंशिक लाभ की स्थितियां बनेंगी। जीवन संगिनी के साथ समझदारी से कार्य करें बेहतर रहेगा। शीत विकार, ज्वर, रक्त चाप आदि से शारीरिक कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। विवादित दिन चर्चा

और विवादित बयानबाजी से परहेज करना आपके लिये आवश्यक है। अरिष्ट निवारण के लिये बुधवार के दिन किसी हिजड़े को हरी बाड़ी दान करें। ता- 1, 2, 3, 4, 7, 8, 9 प्रगतिसूचक सिद्ध होगी।

**तुला:- रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते**



इस माह आपकी राशि में बन रहा बुधादित्य योग आपके लिये बेहद राहतकारक सिद्ध होगा। अनैतिक सोच वाले साथियों, मित्रों से अति सावधान रहना हितकर सिद्ध होगा। पारिवारिक सदस्यों के कामकाज में शिथिलता बरतना मानसिक रूप से कष्टकारक प्रतीत हो सकता है। एकत्रित हो रहे यात्रा प्रकरण मिश्रित परिणामदायक रहेंगे। ग्रहस्थ जीवन की तीखी, मीठी तकरार माह भर लगातार जारी रहेगी। खान-पान व्यवस्था में अनियन्त्रण के चलते पेट सम्बन्धी रोगों का सामना करना पड़ सकता है। माह के प्रथम सप्ताह में राजकीय मामलों में प्रगति पथों का निर्धारण होगा। लाभ और खर्च के मध्य संतुलन स्थापित करने में कामयाब रहेंगे। अरिष्ट निवारण के लिये 600 ग्राम से अधिक मात्रा में मिश्री सुयोग्य पात्र को दान करें। तारीख 2, 3, 4, 5, 6, 10, 11, 12 उत्तम सूचक है।

**वृश्चिक:- तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू**



शनि और चन्द्रमा में षडाष्टक योग शारीरिक एवं मानसिक कष्ट का वातावरण बनाता प्रतीत होगा। माह की शुरुवात भागमभाग जिन्दगी के सुअवसर उपलब्ध करा सकती है। कठोर से कठोर निर्णय लेने की मानसिकता मन से निकल कर बाहर आयेगी। बाहरी सम्बन्धों से इस माह आपको लाभ का वातावरण मिल सकता है। प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति आपका मोहभंग होगा। शुभ सूचक क्रिया-कलाप खर्च की अधिकतम सीमा रेखा पार करेंगे। घर ग्रहस्थी से जुड़े हुये कामकाज कठिनाइयों की ओर अग्रसर रहेंगे। माह के प्रथम सप्ताह में अनायास किसी धार्मिक यात्रा में अवरोध आ सकते हैं। अरिष्ट निवारण के लिये ॐ अं अंगारकाय नमः मन्त्र का प्रतिदिन 108 बार जप करें। तारीख 4, 5, 6, 7, 8, 9, 12, 13, 14 शुभ सूचक है।

**धनु:- ये, यो, भा, भी, भू, भे, ध, फ, ढ**



माह के प्रथम सप्ताह में जीवन संगिनी के साथ मधुरतम पलों का बेहतर सदुपयोग

हो सकता है। भोजन व्यवस्था में पेय पदार्थों तथा रसीले पदार्थों का अधिकाधिक प्रयोग बड़ेगा। व्यापारिक कार्य योजनाओं को विस्तार रूप देने में सफलता प्राप्त होगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य के सम्पन्न होने की आहट स्पष्ट रूप से प्रतीत होगी। शासन—प्रशासन से जुड़े हुये मामलों में आपेक्षित सफलता प्राप्त होगी। बड़े बुजुर्गों के स्वास्थ्य के प्रति बेहद सचेत रहना आवश्यक है। व्यस्तता के अधिकाधिक प्रसंग एकत्रित हो सकते हैं। लाभ और खर्च के मध्य सामान्यस्थ स्थिति स्थापित करने में सफल रहेंगे। अरिष्ट निवारण के लिये बृहस्पतिवार के दिन 07 किलो पीली सरसो का सुयोग्य पात्र को दान करें। तारीख 1, 2, 7, 8, 9, 10, 11 शुभकारक सिद्ध होगी।

**मकरः— भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी**



राज्य प्रशासनिक अधिकारियों की निकटता के चलते राजद्वारीय कामकाजों में आपेक्षित सफलता प्राप्त होगी। माह की शुरुवात में आपकी राशि पर बन रहा विपरीत राजयोग कई महत्वपूर्ण कार्यों की दशा तथा दिशा निर्धारित करने वाला सिद्ध होगा। भूमि, मकान, वाहन सुख के पर्याप्त अवसर प्राप्त होंगे। क्रय—विक्रय सम्बन्धी मामलों में लाभप्रद वातावरण निर्मित होगा। आप मानिसक रूप से आडम्बर विहीन धार्मिक आस्था के पक्षधर रहेंगे। जीवन साथी की सौम्य भाषा शैली के प्रयोग के चलते ग्रहस्थी में आ रही अड़चनो में कमी आती प्रतीत होगी। पठन—पाठन कार्यों में प्रगति सूत्र स्थापित होंगे। अरिष्ट निवारण के लिये कोले घोंडे को शनिवार को रोटी पर तेल चुपड़कर खिलायें। तारीख 2, 3, 4, 9, 10, 11, 12, 13, 14 उत्तमता की प्रतीत होंगी।

**कुम्भः— गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, द**



जीवन साथी के साथ संयमित भाषा—शैली का प्रयोग कर मानसिक तनाव से अपने आपको बचा सकते हैं यात्रा करते समय यातायात के नियमों की अनदेखी न करना ही आपके लिये हितकर सिद्ध होगा। मौसम के बदलते मिजाज के चलते संतान पक्ष शारीरिक रूप से कष्टित रहेंगे। धर्म, अध्यात्म से जुड़े हुये क्रिया—कलाप सरलता के साथ आगे बढ़ते प्रतीत होंगे। भोजन व्यवस्था में सादगी भरा भोजन ही मन को प्रसन्न करने वाला प्रतीत हो सकता है। ईश्वर अराधना के प्रति पूर्ण रूपेण उदासीनता रहेगी। साझेदारी से जुड़े हुये व्यवसायों से अल्प लाभ की उम्मीद रखना बेहतर रहेगा। राजकीय

मामलो मे विध्न बाधायें आयेंगी। अरिष्ट निवारण के लिये शनिवार के दिन किसी शनि मन्दिर मे नंगे पांव जाकर शनि बाबा के दर्शन करें। तारीख 3, 4, 5, 6, 7, 12, 13 सुखदपूर्ण अहसास करायेंगी।

**मीनः— दी, दू, दे, दो, थ, झ, अ, चा, ची**



विरोधियों की लगातार बढ़ती हुयी संख्या आपकी मानसिक परेशानी का वातावरण बना सकती है। ग्रहस्थ जीवन मे उठते हुये घमासान को रोक पाना चुनौती पूर्ण कार्य प्रतीत होगा। अव्यवस्थित खान-पान व्यवस्था पेट सम्बन्धी रोगों की वृद्धि की जन्मदाता बनेगी। माह का पहला सप्तहा भागमभाग जिन्दगी का अनुसरण करने वाला सिद्ध होगा। माह के तीसरे सप्ताह मे कर्मयोगी बनकर राजकीय कामकाजों को संभाल सकते हैं। बिगड़ती हुयी अर्थव्यवस्था मे भी सुधार के स्पष्ट संकेत प्राप्त होंगे। धार्मिक कार्यों मे लगातार उदासीनता प्रदर्शित होगी। अरिष्ट निवारण के लिये बृहस्पतिवार के दिन पीपल के वृक्ष के नीचे 3 बृहस्पतिवार लगातार 05 प्रकार की मिठाई के साथ हरी इलायची को जोड़ा रखें। तारीख 5, 6, 7, 8, 9, 14, 15, 16 प्रगति मार्ग की ओर अग्रसर रहेंगी।

**माह के प्रमुख व्रत और त्यौहारः—**

- 1- कोकिला पंचमी (जैन) 01 नवम्बर, रविवार।
- 2- राधाष्टमी अष्टमी जयन्ती, कराष्टमी (महाराष्ट्र), 04 नवम्बर, बुधवार।
- 3- रम्भाएकादशी व्रतम् सर्वेषाम्, गोवत्स द्वादशी (प्रदोष व्यापिनी), 07 नवम्बर, शनिवार।
- 4- प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, धनत्रयोदशी (धनतेरस), धन्वन्तरि जयन्ती, कामेश्वरी जयन्ती, 09 नवम्बर, सोमवार।
- 5- स्नान दान और श्राद्ध की अमावस्या, दीपावली, 11 नवम्बर, बुधवार।
- 6- अन्नकूट, बलिपूजन प्रतिपदा, गोवर्धन पूजा, 12 नवम्बर, बृहस्पतिवार।
- 7- यम द्वितीया, भातृ द्वितीया, चित्रगुप्त पूजा, 13 नवम्बर, शुक्रवार।
- 8- श्री वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतम्, सूर्यषष्ठी व्रतारम्भः, तीन दिनात्मक, 15 नवम्बर, रविवार।
- 9- गोपाष्टमी, श्री दुर्गाष्टमी, ओली प्रारम्भ (जैन), 19 नवम्बर, बृहस्पतिवार।

- 10- हरि प्रबोधिनी एकादशी सर्वेषाम्, तुलसी विवाह, 22 नवम्बर, रविवार।
- 11- चातुर्मास व्रत की समाप्त, मन्वादि द्वादशी, सोम प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, दिन मे 10 बजकर 36 मिनट पर पंचक समाप्त, 23 नवम्बर, सोमवार।
- 12- स्नान दान व्रत की पूर्णिमा, कार्तिक पूर्णिमा, गुरु नानक देव जयन्ती, कार्तिकेय दर्शन, 25 नवम्बर, बुधवार।
- 13- श्री संकष्टी, गणेश चतुर्थी व्रतम्, 29 नवम्बर, रविवार।



## पंडित आनंद अवस्थी

पं० आनन्द अवस्थी : पटेल नगर कालोनी बछरावां  
रायबरेली

डी-79, साउथ सिटी, लखनऊ एम०बी० नं०- 9450460208

----E-mail : [pt.anand.awasthi@gmail.com](mailto:pt.anand.awasthi@gmail.com)